इकाई 3

12. चिकनी मिट्टी का कमाल
(Gems of Clay)

विनायक चतुर्थी का त्यौहार आया। गौतमी के घर में गणेश की मूर्ति का दरबार लगाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए दादाजी से गणेश की मूर्ति खरीदने के लिए कहा। गौतमी और दादाजी मिलकर खिलौने खरीदने बाज़ार गये। रास्ते में एक स्थान पर रंग–बिरंगे खिलौने दिखायी दिये।

गौतमी : दादाजी! वह टेलीफोन, रिमोट खिलौने देखिए न कितने सुंदर हैं!

दादाजी : वे प्लास्टिक से बनाये गये खिलौने हैं।

गौतमी : दादाजी इस खिलौने को देखिए न, कितने सुंदर हैं.

दादाजी : ये लकड़ी से बने खिलौने हैं। हमारे राज्य के निर्मल, इन खिलौनों के लिए प्रसिद्ध है।

गौतमी : दादाजी! गणेशजी की इन मूर्तियों को देखिए न, कितने सुंदर हैं! इन्हें खरीदिए दादाजी।

दादाजी : वे देखने में सुंदर है लेकिन वह प्लास्टर आफ़ पैरिस से बनाए गए। ये पर्यावरण को हानि पहुँचाते हैं। यह गणेशजी की मूर्ति देखो, ये चिकनी मिट्टी से बनी है। इससे पर्यावरण को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुँचती है। यह सस्ती भी है।

गौतमी को मिट्टी से बने खिलौने बहुत पसंद आये। उन्हें खरीदकर आगे बढ़े। थोड़ा आगे बढ़ने पर कई तरह के दीप दिखायी दिये। गौतमी ने कहा दादाजी! वे भी खरीदते हैं। "तुम्हें पता है ये भी मिट्टी के बने हैं!" दादाजी ने कहा। गौतमी को बड़ा आश्चर्य हुआ।

SCERT TELANGANA

क्या तुम्हें मालूम है?

SCERT TELANGANA

विनायक चतुर्थी त्योहार के लिए गणेश की मूर्ति मिट्टी से अथवा प्लास्टर आफ़ पैरिस से बनाते हैं। मिट्टी से बनी मूर्ति का ही उपयोग करे। क्योंकि मिट्टी के मूर्ति को पानी में डालन पर धुल जाएगी। जल प्रदूषण नहीं होगा।

मिट्टी से खिलौनों के अलावा और क्या-क्या बनाते हैं, बताओ।

नीचे दिये चित्र देखो। इन्हें क्या कहते हैं? ये किससे तैयार किये जाते हैं पता है? किस लिए उपयोग करते हैं बताओ।

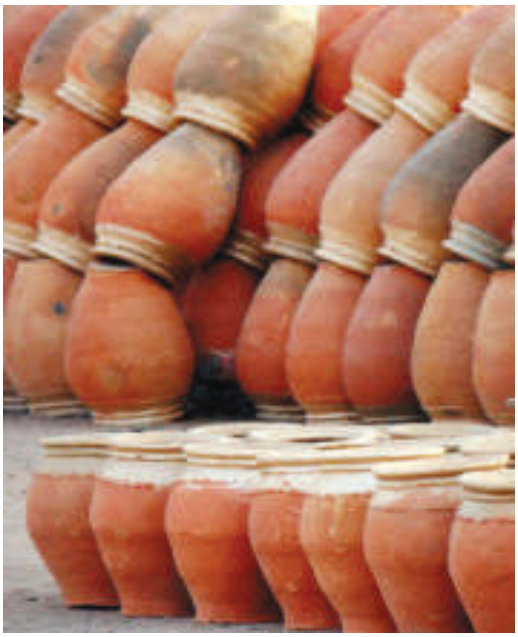

इस तरह की बनायी गयी वस्तुएँ क्या तुम्हारे घर में भी हैं? उनके नाम पता लगाकर बताओ।

हमने मिट्टी के द्वारा बनायी गयी वस्तुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। घड़े, सुराही, हंडी, आदि का इस्तेमाल पानी के पात्रों के रूप में होता है। गर्मियों के दिनों में इनमें रखा पानी ठंडा होता है। हमारे राज्य के आदिलाबाद जिले में तैयार होने वाले मिट्टी के पात्र (रंजन) बड़े प्रसिद्ध हैं। किंतु मिट्टी के पात्रों में चावल, जौ आदि भी रखा जाता है। पशुओं को पानी पीने के लिए मिट्टी के बड़े-बड़े पात्र भी बनाये जाते हैं।

दीपावली त्यौहार के दिन मिट्टी से बनाये गये दियों में दीप जलाये जाते हैं। मिट्टी के साथ कांच और लोहे के दियों में घर-घर रंगीन दीप जलाये जाते हैं। गमले में मिट्टी भरकर छोटे-छोटे पौधे लगाये जाते हैं। ये भी मिट्टी के बने होते हैं।

SCERT TELANGANA

तुम्हें पता है इस तरह के मिट्टी के बर्तन, घड़े कौन तैयार करता है? राजय्या मिट्टी लाकर घड़े किस तरह बनाता है, नीचे दिये गये चित्रों से पता चलता है।

राजय्या घड़े बनाने के लिए मिट्टी लाता है।

चिकनी मिट्टी में पानी डालकर उसे पैर से खुंदलकर नरम बनाता है।

नरम मिट्टी लेकर कुम्हार चक्की पर रखकर घुमाता है। हाथ से घड़े का आकार बनाता है।

चक्की पर तैयार किये गये घड़े को सही आकार देने के लिए लकड़ी के टुकड़े से ठोकता है।

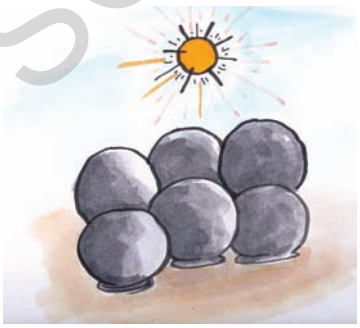

तैयार किये गये घड़ों को पहले छाया में और बाद में धूप में रखकर सुखाता है।

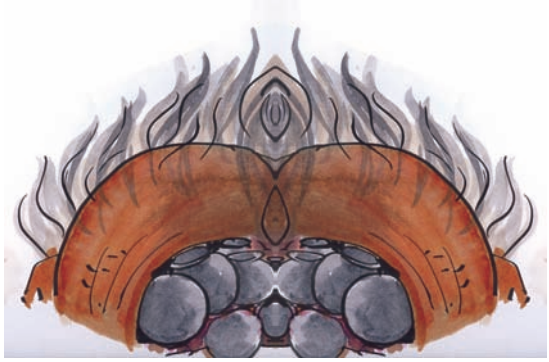

धूप में सुखाये गये घड़ों को बाद में आग की भट्टी में रखकर जलाता है।

SCERT TELANGANA

इस तरह तैयार किये गये घड़े, मटके, सुराही, गमले आदि बाज़ार में बेचे जाते हैं। घड़े खरीदते समय उस पर अंगुली से मारने पर टंग–टंग की आवाज़ आने पर खरीदते हैं। ऐसा क्यों करते हैं, सोचिए।

मिट्टी के बर्तन बड़े अच्छे होते हैं। हमारे पूर्वज मिट्टी के बर्तनों का अधिक उपयोग करते थे। इनकी कीमत भी कम होती है।

मिट्टी से तरह–तरह की वस्तुएँ तैयार करते हैं। उसका हम उपोयग करते हैं। गौतमी एक बार अपने सगे–संबंधियों के घर गयी। उनके घर में तरह–तरह की वस्तुएँ देखीं। वे वस्तुएँ प्लास्टिक, अल्युमीनियम, मिट्टी, लोहा, स्टील, लकड़ी आदि से बनी थी। उसने चिकनी मिट्टी और अन्य वस्तुओं से बनी किन–किन वस्तुओं को देखा होगा? उनका विवरण तालिका में लिखो।

क्र. सं.	देखी गयी वस्तुएँ	वे जिनसे तैयार की गयी हों उन पर √ लगाओ।					
		स्टील	प्लास्टिक	अल्यु मीनियम	मिट्टी	लकड़ी	लोहा
1.	बाल्टी						

घरों में किसकी बनी वस्तुएँ अधिक इस्तेमाल करते हैं?

घरों में किसकी बनी वस्तुएँ कम इस्तेमाल करते हैं?

मिट्टी के बर्तनों का उपयोग क्यों कम हो गया है?

SCERT TELANGANA

वाह कितने अच्छे हैं।

गौतमी अपने सगे–संबंधियों के घर में तरह–तरह की सब्जियाँ और फलों को देखा। उसे बहुत अच्छे लगे। उसे लेकर देखा। आश्चर्यचकित रह गयी। पता हैं क्यों! वे सभी मिट्टी से बनी और रंगी हुई थीं। उन चित्रों को देखो। इन्हें तुम भी तैयार कर सकते हो। चिकनी मिट्टी में पानी मिलाकर, उसे नरम बनाओ। उससे सब्जियाँ, फल, खिलौने आदि तैयार करो। रंग भरो।

मुख्य शब्द

1. खिलौनों का दरबार
2. मिट्टी के खिलौने
3. मिट्टी के बर्तन
4. चिकनी मिट्टी कुम्हार
5. चक्की
6. लकड़ी का टुकड़ा

हमने क्या सीखा

- मिट्टी से घड़े, मटके, सुराही, गमले दीपक आदि तैयार किये जाते हैं।
- खिलौनों के दरबार में मिट्टी से बनाये खिलौने भी रखते हैं।
- गणेश चतुर्थी त्यौहार के समय मिट्टी से बनायी गयी गणेश कि मूर्तियाँ लगानी चाहिए।
- चिकनी मिट्टी से कुम्हार चक्की का उपयोग करते हुए घड़ों का निर्माण करता है।
- हमारे पूर्वज मिट्टी के बने बर्तनों का अधिक उपयोग करते थे।
- इस बीच मिट्टी के पात्रों का उपयोग कम हो गया है।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. मिट्टी से बनायी गयी वस्तुओं के कोई तीन उदाहरण दो।
2. स्टील, मिट्टी के बर्तनों के बीच के अंतर को लिखो।
3. तुम्हारे घर में मिट्टी से बनी कौन–कौन सी वस्तुएँ हैं? उनका उपयोग किसके लिए करते हैं?

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो, रंग भरो।

1. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो.

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. बाजार जाकर मिट्टी से बनी कौन–कौन सी वस्तुएँ बेची जा रही हैं, उनकी तालिका बनाओ। उसी तरह उनकी कीमत भी पता करो।

2. मिट्टी से तरह–तरह की सब्जियाँ, फल, खिलौने तैयार करो। उनमें रंग भरो।

प्रशंसा

1. मिट्टी से तरह–तरह की वस्तुएँ, खिलौने बनाते हैं यह तुमने जान लिया है ना! इस तरह मिट्टी से बनायी वस्तुओं के उपयोग से होने वाले लाभ क्या हैं? मिट्टी से बनी वस्तुएँ तैयार करने वाले राजय्या जैसे लोग मिलने पर तुम उनकी किस तरह से प्रशंसा करोगे?

प्रश्न करना

1. तुम्हारी कक्षा में घड़े बनाने वाला राजय्या, खिलौने बनाने वाली सीतम्मा आये तो उन्हें क्या प्रश्न पूछोगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	मिट्टी के बर्तन, अन्य बर्तनों के बीच साम्यता व अंतर बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	मिट्टी से घड़े कैसे तैयार कर सकते हैं, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	मिट्टी से तरह–तरह की सब्जियाँ, फल, खिलौने तैयार कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	मिट्टी के बर्तन उतारकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	मिट्टी से क्या–क्या वस्तुएँ तैयार कर सकते हैं, समझा सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	मिट्टी के बर्तनों, खिलौनों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ.।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA